राइजिंग स्टार

सिटी स्पंदन

जिंदगी जीना भी सिखा जाता है खेल

20 वर्ष के युवान टेनिस प्लेयर हैं | अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं

स्पाइस रिपोर्टर, चंडीगढ़ : किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ रुझान और प्रेरणा काफी नहीं है। इसके अलावा साथ चाहिए होता है अपनों का, दिन-रात करनी पड़ती है मेहनत। इसके अलावा हिस्से आने वाली चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। युवान नंदाल की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। 20 वर्ष के युवान टेनिस प्लेयर हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वे सेक्टर-32 के एसडी कालेज के स्टूडेंट हैं। अपने सफर के बारे में युवान ने बताया कि सात वर्ष की उम्र से मैंने टेनिस खेलना शुरू किया था। यह बात तब की है जब रोहतक में था। खेलने की प्रेरणा पिता संजय नंदाल से मिली। इसके बाद पिता और मां अंजू नंदाल का सहयोग मिला और मैं आगे बढ़ता गया। कई बार खेलते समय चोट भी लगी है। लेकिन हर बार कोशिश रहती है कि खुद को फिर से तैयार किया जाए।

ट्रॉफी के साथ युवान नंदाल।

अब तैयारी सीनियर टीम के लिए

युवान नंदाल अपने अब तक के सफर में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं। इस दौरान इन्होंने अपने नाम कई खिताब किए हैं। युवान ने बताया कि मेरे पास 60 के करीब गोल्ड, सिल्वर, ब्रान्ज मेडल और ट्राफी हैं। पहले भारत की जूनियर टीम में था अब तैयारी है सीनियर टीम के लिए। इस मुकाम पर पहुंचने के लिए कोच आदित्य सचदेवा, थामस और माइकल टिलस्ट्राम का भी सहयोग रहा।

खेल ने बहुत कुछ सिखाया

युवान ने बताया कि हर किसी के लिए जरूरी है कि वह खेल से जुड़े। इससे हम जीवन भर फिट रहते हैं। पता चलता है कि अनुशासन में रहने के क्या मायने हैं।